दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचें दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

जातियाँ इस देश में अनेक आई हैं| लड़ती-झगड़ती भी रही हैं, फिर प्रेमपूर्वक बस भी गई हैं| सभ्यता की नाना सीढ़ियों पर खड़ी और नाना ओर मुख करके चलने वाली इन जातियों के लिए एक सामान्य धर्म खोज निकालना कोई सहज बात नहीं थी| भारत वर्ष के ऋषियों ने अनेक प्रकार से इस समस्या को सुलझाने की कोशिश की थी| पर एक बात उन्होंने लक्ष्य की थी| समस्त वर्णों और समस्त जातियों का एक सामान्य आदर्श भी है| वह है अपने ही बंधनों से अपने को बांधना| मनुष्य पशु से किस बात में भिन्न है? आहार-निद्रा आदि पशु-सुलभ स्वभाव उसके ठीक वैसे ही हैं जैसे अन्य प्राणियों के| लेकिन वह फिर भी पशु से भिन्न है| उसमें संयम है, दूसरे के सुख-दुःख के प्रति समवेदना है, श्रद्धा है, तप है, त्याग है|

(i) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए|
(ii) भारतवर्ष के ऋषियों ने कौनसी समस्या को सुलझाने की कोशिश की और क्यों?
(iii) मनुष्य को पशु से किस कारण भिन्न माना गया है?

दिए गए अनुच्छेद का एक तिहाई शब्दों में सार लेखन कीजिए :-

आज के समय में नारी राजनीति, कारोबार एवं नौकरियों में नए आयाम गढ़ रही है | आज उनकी स्थिति पहले की तुलना में बहुत सशक्त एवं मजबूत है | वे स्वयं अपने निर्णय ले पाती है एवं समाज में पुरुषो की तुलना में किसी भी क्षेत्र में कम नही है | बल्कि पुरुषो के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर अपने परिवार,समाज एवं देश का नाम सम्पूर्ण विश्व में रोशन कर रही है | आज़ादी के बाद लगभग 12 महिलाए विभिन्न राज्यों की मुख्यमंत्री बन चुकी है | फ़ौज,राजनीति,खेल तथा पायलेट आदि क्षेत्रो में, जहाँ वर्षो पहले महिलाओ के वहां होने की कल्पना भी नही की जा सकती थी वहां आज सभी क्षेत्रो में महिलाओं ने अपने आपको स्थापित किया है | सानिया नेहवाल,पी.वी. सिन्धु, मिताली राज,गीता फोगाट, वसुंधरा राजे, सुमित्रा महाजन, जैसी कई महिलाएँ हमारे देश में नाम कमा रही है, जिन्होंने विषम परिस्थितियों में रहकर भी अपने हौसले एवं आत्मविश्वास को कभी कम नही होने दिया एवं निरंतर प्रयासों से सफल हुई है |

माता जी को पत्र लिखकर अपनी परीक्षा की तैयारी के बारे में बताइए |

_____ _____

_____ _____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____|

_____

_____